चिकनी सड़कों एवं हाईमास्क की चकाचौंध से चमक रहे व्हीआईपी इलाके

नगर की सड़कें गड्ढों मे तब्दील नालियां कचरे से पटी तथा स्ट्रीट लाईट का अभाव

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। अंधा बांटे रेवड़ी, चीन्ह चीन्ह के देय वाली कहावत नगरपालिका प्रशासन के लिए फिट साबित हो रही है। आज नगर के व्हीआईपी क्षेत्रों तथा अधिकारियों के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर देखा गया कि नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई अमला तैनात किया गया है जो नियमित सडक, नालियों की सफाई करता है। वहीं स्ट्रीट लाईट सहित हाई मास्क लाईट की रोशनी से व्हीआईपी क्षेत्र जगमगा रहे हैं।

वहीं नगर के अंदर अधिकांश वार्डो एवं बस्तियों सहित सभी जगह जर्जर गड्ढे युक्त सड़कें एवं कचरे से पटी नालियां, स्ट्रीट लाईट

का अभाव स्वमेव देखा जा रहा है। वहीं बिजली के नाम पर भारी भरकम बजट फर्जी खरीदी के नाम पर खर्च किया जाता है और कागजों में ही बिजली सामग्री खरीदी दर्शा दी जाती है। यदि उच्च स्तरीय जांच एवं भौतिक सत्यापन हो जाये तो सारी पोल खुलकर सामने आ सकती है। लोग हर साल सड़कों पर गड्ढों और जलभराव से परेशान होकर नगर पालिका और लोक निर्माण विभाग को कोसते हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं होती। आम लोगों की कॉलोनियों और गलियों में गड्ढे ही गड्ढे हैं। नागरिकों का कहना है कि वीआईपी लोग अपनी बड़ी गाड़ियों में काले चश्मे लगाकर निकलते हैं, इसलिए उन्हें सड़कों की खराब हालत नहीं दिखती। अधिकारियों और ठेकेदारों का यह दोहरा रवैया हर साल बारिश में मुश्किलें पैदा करता है, जिससे आम जनता को आवागमन में भारी परेशानी होती है।

आए दिन होते हैं हादसे:- अजयगढ़ मार्ग से नटबाबा मोहल्ला से जोड़ने वाला मार्ग बदहाल हो गया है। लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। नगर प्रशासन को रास्ते की बदहाली की जानकारी है पर मरम्मत तक नहीं कराई जा रही है। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

चकाचक सिविल लाइन की सड़क

सिविल लाइन में ज्यादातर साहबों और माननीयों का निवास-दफ्तर है। इस मार्ग में पानी के निकासी के समुचित प्रबंध हैं। दोनों ओर नालियां बनवाई गई। हैं, जिनकी नगर सरकार का अमला तय समय में साफ-सफाई भी करता है। मार्ग पर चमचमा रहा है, तलाशने पर भी एक गड्ढा नहीं मिलता है चमचमाते रास्ते में साहबों और माननीयों के वाहन सरपट फर्राटे भर रहे हैं।

आम लोगों के चलने का रास्ता

आम लोगों को अपने घर-दफ्तर आने-जाने वाले रास्तों में भी संभलकर चलना पड़ रहा है। के कुछ रास्ते मोहल्ले तो ऐसे हैं कि घर-शिक्षण संस्थान तक पहुंच पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। लोग सालों से रास्तों की बदहाली दूर करने गुहार लगा रहे हैं पर हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों को बारिश के मौसम में आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। आइटीआइ कॉलेज में देखने को मिली कीचड़ भरे रास्ते में बच्चे ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे।

श्रद्धा व भक्ति के साथ हुई पंचमुखी हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा

नवभारत न्यूज

अमानगंज, 4 अप्रेल। नगर के शाला चोपड़ा स्थान में आज भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ स्वर्गीय श्रीधर दयाल सक्सेना एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती अवध रानी की पावन स्मृति में पंचमुखी हनुमान जी की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उनके सुपुत्र दिनेश सक्सेना द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजन-अर्चन और हवन यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विद्वान ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार से किया गया साथ ही मूर्ति प्रतिष्ठित होने के पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में हजारों भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। माता-पिता की स्मृति में किए गए इस पुनीत कार्य की पूरे नगर में सराहना हो रही है।

विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में उड़नदस्ता का सघन दौरा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। वर्तमान में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर की परीक्षाएं निरंतर चल रही है।

विश्वविद्यालय परीक्षा अंतर्गत विश्वविद्यालय का केंद्रीय उड़नदस्ता के सदस्य डॉ ओ.पी. अरजरिया एवं जिला स्तरीय उड़नदस्ता के संयोजक डॉ एस डी चतुर्वेदी के संयुक्त नेतृत्व में तथा दो अन्य सदस्यों के साथ छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में संचालित दिनांक 04 अप्रैल को प्रथम पाली पूर्वाह्न 09 से 12 बजे की परीक्षा में आकस्मिक निरीक्षण करने पर दो विद्यार्थी नकल करते हुए पाए गए जिनका नकल प्रकरण बनाया गया।

द्वितीय पाली की परीक्षाएं अपराह्न 02 से 05 बजे के मध्य संचालित होने वाली में विश्वविद्यालय एवं जिला स्तरीय उड़नदस्ता संयुक्त रूप से निरीक्षण करने विभिन्न महाविद्यालय क्रमश: कन्या शासकीय महाविद्यालय पन्ना, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना एवं अशासकीय वैष्णो माता महाविद्यालय पन्ना का औचक निरीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के केंद्रीय उड़नदस्ता के सदस्य डॉ ओ.पी.अरजरिया तथा जिला स्तरीय उड़नदस्ता के संयोजक डॉ एस डी चतुर्वेदी के साथ दो अन्य सदस्य डॉ जे.के. वर्मा वरिष्ठ प्राध्यापक एवं डॉ सिद्धू सिंह सहायक प्राध्यापक शामिल रहे। उपरोक्त सभी महाविद्यालय में परीक्षाएं व्यवस्थित तरीके से संचालित पाई गई।

संपूर्ण प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता : अनुराग

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। संपूर्ण प्रदेश में एलपीजी सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है अउर किसी तरह की कर्हीं कमी नहीं है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पेट्रोलियम पदार्थों की सुगम उपलब्धता के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों पर संतर्षि व्यक्त करते हुए कलेक्टर्स से कहा है कि वे प्रतिदिन मानीटरिंग करें अउर जमाखोरी के साथ कालाबाजारी की शिकायतों पर त्वरित व सख्त कार्यवाही करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने गत गुरूवार को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों अउर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टर्स के साथ जिलों में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने पीएनजी लाइन वाले जिलों में अधिकाधिक घरेलू कनेक्शन देने के लिए संबंधित एजेंसियों को जिला प्रशासन से नियमित समन्वय करने के साथ ही कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि वे एजेंसियों को वर्क फोर्स उपलब्ध करवाएं। बैठक में विगत एक माह में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता अउर आपूर्ति की समीक्षा भी की गई। पेट्रोल पंप तथा गैस एजेंसियों पर अब लाइन आदि समाप्त होने के साथ पैनिक बुकिंग बंद होने पर संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। गैस की पर्याप्त उपलब्धता अउर निरंतर आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया गया।

उन्होंने एलपीजी की जमाखोरी अउर कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध की गई कार्यवाही की समीक्षा की तथा कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने के साथ भारी अर्थदंड अउर एजेंसियों पर आवश्यक होने पर निलंबन की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि एजेंसियां कई बार मुनाफे के लिए अपने कर्मियों से भी कालाबाजारी करवाती हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है अउर ऑयल कंपनी के डिपो से निरंतर आपूर्ति जारी है। जिलों में गैस पाईप लाईन बिछाने के सभी आरअयू आवेदनों को आवेदन प्रस्तुत करने के 24 कार्यकारी घंटों के अंदर डीम्ड सीजीडी अनुमति प्रदान करने के आदेश अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

राज्य शासन को अतिरिक्त 10 प्रतिशत एलपीजी आवंटन प्राप्त हो चुका है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार द्वारा कॉमर्शियल एलपीजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन उद्योगों जैसे स्टील, ऑटोमोबाईल, टेक्सटाइल, डाई, केमिकल्स, प्लास्टिक्स आदि के लिए किया गया है अउर उद्योगों को कॉमर्शियल गैस सप्लाई उक्त अनुसार की जा रही है।

बैठक में बताया गया कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश को केरसीन आवंटन अउर प्रत्येक जिले में 2 पेट्रोल पंपों का आंकलन प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा केरसीन वितरण के दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। केरसीन का वितरण मांग के आधार पर होगा।

कार्यालयीन समय में पंचायत भवनों पर लटका ताला, ग्रामीण परेशान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। ग्रामीण अंचलों में रहने वाले आदिवासी समुदाय और अन्य ग्रामीणों के छोटे छोटे कामों के लिये शहर या बड़े सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े, इस उद्देश्य से शासन द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत भवनों का निर्माण कराया गया है। लेकिन 90 प्रतिशत पंचायतों में पदस्थ कर्मचारियों की लापरवाही के कारण इन भवनों का उद्देश्य अधूरा होता नजर आ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों की मानें तो यह स्थिति नई नही है, बल्कि अक्सर पंचायत भवन बंद ही मिलते है। इसके कारण गांव में ही होने वाले छोटे-छोटे कामों के लिये भी उन्हें जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते है।

अधिकारियों के निरीक्षण पर उठे सवाल - गौरतलब है कि समय समय पर पंचायतों के दौरे और कार्यो की समीक्षा की बातें भी सामनें आती रहती है। इसके बावजूद पंचायतों में कार्यालयीन समय पर ताला लटका मिलना कई सवाल खडे कर रहा है। यदि क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था है, तो फिर पंचायतों में इस तरह की लापरवाही कैसे सामनें आ रही है? क्या जिम्मेदार कर्मचारियों की मनमानी पर प्रभावी नियंत्रण नही कर पा रहे है, या फिर निरीक्षण केवल कागजो तक ही सीमित रह गया है? स्थानीय लोगो की मानें तो यदि पंचायतों की वास्तविक स्थिति का नियमित निरीक्षण किया जाये और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तो ऐसी स्थिति स्वत: खत्म हो सकती है। पंचायत स्तर पर कर्मचारियों की अनुपस्थिति से शासन की योजनाओं का लाभ भी समय पर ग्रामीणों तक नही पहुंच पा रहा है।

मीटिंग का दिया जाता है हवाला

ग्रामीणों की मानें तो पंचायतों में पदस्थ सचिव सहित अन्य जिम्मेदार कर्मचारी अक्सर जनपद या जिला स्तर की बैठकों का हवाला देकर कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित रहते है। ऐसे में पंचायत भवनों में नियमित रूप से ताला लटका रहता है और ग्रामीणों को अपने छोटे छोटे कार्यो के लिये भटकना पड़ता है। ऐसी स्थिति में यह सवाल उठना लाजिमी है कि यदि जिम्मेदार कर्मचारियों को सरकार द्वारा जिन कार्यो के लिये पदस्थ किया गया है, वही कार्य समय पर नही हो पा रहे है तो उनकी उपस्थिति और जबावदेही आखिर कैसे तय होगी? पंचायतों की वास्तविक स्थिति क्या होगी? क्या वहां भी कार्यालयीन समय में इसी तरह ताले लटकते रहते है, या फिर व्यवस्था केवल कागजों तक ही सीमित है?

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत कलेक्टर पहुंचीं स्कूल, निभाई प्रेरक की भूमिका

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। शासन के निर्देशानुसार चार दिवसीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम एवं स्कूल चलें हम अभियान की गतिविधियों के तहत शनिवार को सरकारी विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम की गतिविधि आयोजित की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर ऊषा परमार ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी के साथ विभिन्न स्कूलों का भ्रमण कर बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। साथ ही उज्वल भविष्य के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने प्रेरक की भूमिका

में विद्यार्थियों को पढ़ाई का महत्व बताया और प्रेरणास्पद बातों का जिक्र भी किया। अधिकारीद्वय द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला मनकी एवं प्राथमिक शाला बिल्खुरा पहुंचकर विद्यालय के शिक्षकों को छात्र-छात्राओं की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने एवं नियमित रूप से समय पर स्कूल खोलने व संचालन के निर्देश दिए गए। कलेक्टर एवं जिपं सीईओ ने बच्चों के साथ सामूहिक मध्यान्ह भोजन भी किया और बच्चों को बिस्किट वितरित किए। स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ पढ़ाई से संबंधित जानकारी साझा की तथा गिनती, पहाड़ा, कहानी और कविताएं भी सुनाईं। इस दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। बच्चों से शिक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त कर एवं शासन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रदान कर सभी विद्यार्थियों से इसका लाभ उठाने के लिए कहा गया। भविष्य से भेंट कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने पर जोर दिया गया तथा अभिभावकों से भी अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने एवं पढ़ाई में सहयोग करने की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान शाला में नामांकित विद्यार्थियों के जन्म एवं जाति प्रमाण पत्र सहित आधार व अपार आईडी विषयक एवं गत कक्षा के परीक्षा परिणाम व परिवार के सदस्यों संबंधी सामान्य जानकारी भी ली गई।

हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

नवभारत न्यूज

अमानगंज, 4 अप्रेल। पन्ना जिले के अमानगंज के वार्ड नंबर 13, राघव मोहल्ला में उस वक्त मातम पसर गया जब मजदूरी कर रहे एक 32 वर्षीय युवक की करंट लगने से असामयिक मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक पुष्पेंद्र कोरी (पिता बिरजू कोरी पेशे से मिस्त्री का काम करता था और शनिवार को एक मकान के निर्माण कार्य में लगा हुआ था।

बताया जा रहा है कि पुष्पेंद्र जब मकान निर्माण का कार्य कर रहा था, तभी वह वहां से गुजर रही हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना जोरदार था कि वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही अचेत हो गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोग और परिजन उसे लेकर आनन-फानन में अमानगंज अस्पताल पहुंचे। हालांकि, अस्पताल में प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। 32 वर्षीय पुष्पेंद्र अपने परिवार का मुख्य सहारा था। उसकी मौत से वृद्ध पिता बिरजू कोरी और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ज्यादा ट्रांजेक्शन पर देना होगा शुल्क, बैंकिंग से जुड़े कई नियमों में बदलाव

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। बैंकिंग से जुड़े कई नियमों में बदलाव हो चुके हैं। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो एटीएम का इस्तेमाल करते हैं। 1 अप्रैल 2026 से एचडीएफसी बैंक समेत कई बैंकों ने कैश निकालने की सीमा, ट्रांजेक्शन फीस और अन्य नियम व शर्तों में बदलाव कर इन्हें लागू कर दिया है।

नतीजतन एटीएम से पैसे निकालने का तरीका और उससे जुडे शुल्क अब पहले जैसे नहीं रहेंगे। इसलिए, ग्राहकों के लिए इन नए नियमों को समझना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एचडीएफसी बैंक ने बदलाव लागू किए - एचडीएफसी बैंक ने यूपीआई आधारित एटीएम कैश निकासी को अपनी मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन सीमा से जोड़ने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि तय सीमा पार हो जाने के बाद ग्राहकों को हर अगले एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए अतिरिक्त शुल्क देना होगा। ये नए नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू हो गए हैं। नए नियमों के तहत, एक बार मुफ्त ट्रांजेक्शन की सीमा खत्म हो जाने पर, ग्राहकों से हर अतिरिक्त एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए ?23 (और लागू टैक्स) वसूले जाएंगे।

पीएनबी ने कैश निकालने की सीमा घटाई - 1 अप्रैल से, पंजाब नेशनल बैंक कुछ डेबिट कार्डों पर कैश निकालने की सीमा कम करने जा रहा है। नए नियमों के अनुसार, जहाँ पहले ग्राहक प्रतिदिन 1 लाख तक निकाल सकते थे, वहीं अब बैंक ने इस सीमा को घटाकर 50,000 करने का फैसला किया है। यह नियम चुनिंदा डेबिट कार्डों पर लागू होगा। इसके अलावा, बैंक ने अपने कुछ प्रीमियम डेबिट कार्डों के लिए भी प्रतिदिन कैश निकालने की सीमा कम कर दी है। पहले, ग्राहक इन कार्डों का इस्तेमाल करके 1.5 लाख तक निकाल सकते थे; हालाँकि, अब इस सीमा को घटाकर 75,000 कर दिया गया है।

बंधन बैंक ने भी एटीएम नियमों में बदलाव किए

बंधन बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजेक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। अब ग्राहकों को बैंक के अपने एटीएम पर हर महीने सिर्फ 5 मुफ्त फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन करने की अनुमति होगी, जबकि दूसरे बैंकों के एटीएम पर किए जाने वाले ट्रांजेक्शन की सीमा घटाकर 3 कर दी गई है। तय सीमा से ज्यादा ट्रांजेक्शन करने पर हर अतिरिक्त ट्रांजेक्शन पर ?23 रुपये का चार्ज लगेगा।

अब नवीन निर्धारित तिथि में होगा प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

पन्ना, 4 अप्रेल। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी कार्यालय पन्ना द्वारा जनगणना 2027 अंतर्गत पूर्व में आदेश जारी कर प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आगामी 6 अप्रैल से प्रस्तावित किया गया था। अब आंशिक संशोधन उपरांत प्रशिक्षण की नवीन तिथि एवं दिवसों के बारे में संबंधितजनों को पृथक से सूचित किया जाएगा। जिला जनगणना अधिकारी द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए सभी तहसीलदार एवं ग्रामीण चार्ज अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगरीय चार्ज अधिकारी को निर्देश जारी किए गए हैं।

जल गुणवत्ता की जांच के नाम पर शहर मे हो रही औपचारिकता

नवभारत न्यूज

पन्ना, 4 अप्रेल। इंदौर की घटना के बाद समूचे प्रदेश में जल गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिये गये थे। किन्तु देखा जा रहा है कि जहां समस्या है वहां नगर पालिका की टीमे नहीं पहुच पा रही हैं।

यही कारण है कि आये दिन ऐसी सूचनायें प्राप्त हो रही हैं जहां प्रदूषित पानी की सप्लाई अभी भी हो रही है। ऐसे वार्डो की जनता की तरफ कई बार पूर्व में शिकायतें करने एवं वर्तमान में भी नगर पालिका को शिकायत करने की बात की जा रही है। बावजूद इसके पता नही नगर पालिका की जांच टीमे कहां भटक रही हैं।

किन्तु अब पता चल रहा है कि जल गुणवत्ता की जांच एक औपचारिकता मात्र है। चैथे चरण में शिविरों का आयोजन किया जाना था जहां पूरी तरह से समस्याओं का समाधान करते हुये यह बताना था कि अभियान पूरा हो चुका है और अब प्रदूषित पानी की समस्या नहीं है। कुलमिलाकर गुणवत्ता जांच के नाम पर नगरपालिका द्वारा कागजी खानापूर्ति कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली।

चरणबद्ध घोषित हुआ था कार्यक्रम

शासन से जारी निर्देशों के अनुसार चरणबद्ध कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। जहां प्रथम चरण में घरघर पहुचकर जल गुणवत्ता की जांच एवं आम जनता से शिकायतें प्राप्त करनी थी। इसके बाद उन शिकाययतों व समस्याओं का समधान किया जाना था। दूसरे चरण में भी यही करना था जहां शेष बचे क्षेत्रों तक पहुचने का प्रयास करना था एवं पूर्व की शेष बची शिकायतों का समाधान करना था। इसी तरह से तीसरे चरण में भी गतिविधियां करनी थी।

दूसरे दिन भी बेमौसम बरसात से किसान चिंतित

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 4 अप्रेल। अजयगढ निरंतर दो दिनों से हो रही बारिश से किसानों के माथे सिकन आ गई है किसान चिंतित है क्योंकि ज्यादातर किसानों की फसले खेतों पर खड़ी हैं या कटाई करके खेतों पर जमीन पर पड़ी है जो फ़सल जमीन पर पड़ी हैं उनमें अधिक नुकसान है क्योंकि नीचे से पानी पड़ता ज़मीन गीली होना ऊपर से पानी गिरना के कारण फसल ज्यादा गीली हो जाती है ।

किसान को बार-बार उल्टा पलटा कर उसको सुखना पड़ता है जिससे किसान की मेहनत भी बढ़ जाती है और फसल के दाना भी ज्यादा जमीन पर गिर जाते हैं हवा चलने के कारण किसान की कटी पडी फसल भी हवा में उड़ती है और दाने जमीन पर गिर जाते हैं और यहां वहां दूर-दूर तक फैल जाते है खड़ी फसल भी जमीन पर गिरती है क्योंकि जमीन बारिश में गीली हो जाती है और खड़ी फसल के पौधे उखड़ जाते हैं। कल रात 3 बजे करीब मौसम ने फिर से बदलाव लिया और हवा आंधी के साथ बारिश होने लगी जो थोड़ा धीमी रही 4 बजे करीब तेज बारिश हुई और काफी देर तक बारिश होती रही जिससे किसान के खेतों में रखी और खड़ी फसल दोनों गीली हो गई किसानों को गली फसल की गहराई कर भी नहीं हो पा रही है और कटाई करने में भी पेड़ उखड़ रहे हैं जिससे किसान

काफी परेशान है आज शाम भी काफी बादल छाए हुए हैं जिससे किसान जैसे भी हो रहा है अपने प्रश्नों को काटने का प्रयास कर रहा है। किसान किसान रघुनंदन रैकवार निवासी रिपटा ने बताया कि बारिश हवा आंधी से खेतों में पड़ी फसलों और खड़ी फसलों का काफी नुकसान हुआ है दाने जमीन पर गिरे हुए हैं जिससे ऑस्टिन फसल इस बार मौसम की मार्केट के कारण कम होगी। अमहा निवासी किसान केसरबाई यादव ने बताया कि दो दिनों से हो रही बारिश और आज भी बदल अधिक छाए हुए हैं जिससे हम अपने खेतों पर कटाई कर रहे हैं जमीन और फसल गीली होने के कारण कटाई करने में दिक्कत आ रही है कटाई करने पर कुछ पौधे उखड़ रहे हैं जिससे फसल में अधिक मिट्टी और पत्थर हो जाएंगे जिससे फसल की कीमत कम मिलेगी हवा चलने से फसल के दाने भी जमीन पर गिर गए हैं। बरहाल कुछ भी हो दो दिनों से हो रही बारिश में किस की फसलों को नुकसान हुआ है और अब उनको उम्मीद है कि शासन से कुछ राहत मिले।

इनका कहना है

दो दिनों से हो रही बारिश के कारण सभी हल्का पटवारी को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने हल्का में पहुंचकर बारिश से किसानों की हुई फसल की क्षति का आकलन करें और शीघ्र अपना प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करें किसानों का कितना प्रतिशत नुकसान है

सुरेंद्र कुमार
तहसीलदार अजयगढ़